

आईएसए का अध्यक्ष बना भारत, बिजली की सुविधा से वंचित 70 करोड़ लोगों तक बिजली पहुंचाना है मकसद

नयी दिल्ली, 18 अक्टूबर 2022। अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) की महासभा में भारत को एक बार फिर अध्यक्ष और फ्रांस को सह-अध्यक्ष चुना गया है। आईएसए के महानिदेशक अजय माथुर ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि संगठन की पांचवीं महासभा में इन दोनों देशों को फिर से पद पर चुन लिया गया।

बिजली और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आर के सिंह इसका अध्यक्ष पद संभालेंगे, जबकि फ्रांस की विकास एवं अंतरराष्ट्रीय भागीदारी राज्य मंत्री क्रिसुला जकारोपूलो सह-अध्यक्ष होंगे। माथुर ने बताया कि अध्यक्ष और सह-अध्यक्ष पद के लिए सिर्फ एक-एक आवेदन ही किए गए थे। ऐसी स्थिति में भारत को फिर से सौर गठबंधन का अध्यक्ष और फ्रांस को सह-अध्यक्ष चुन लिया गया। इस चुनाव के बाद अध्यक्ष पद संभालने जा रहे सिंह ने कहा कि आईएसए का बहुत तेजी से विकास हुआ



अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) की संस्थापन सम्मेलन की शुरुआत।

उनका मकसद होगा। उन्होंने कहा कि यह ऊर्जा की अनिवार्यता न होकर हमारे सदस्य देशों की ऊर्जा स्वतंत्रता के लिए जरूरी है। आईएसए का मिशन वर्ष 2030 तक सौर ऊर्जा में एक लाख करोड़ डॉलर की निवेश संभावनाएं पैदा करना है। इसके लिए सौर ऊर्जा की तकनीक एवं वित्त पोषण की लागत को कम करने पर ध्यान दिया जा रहा है। आईएसए की महासभा ने एक भुगतान गारंटी व्यवस्था सौर सुविधा को भी मंजूरी दी जिससे सौर क्षेत्र में निवेश को गति मिलने की उम्मीद है। इसके लिए दो वित्तीय घटक- सौर भुगतान गारंटी कोष और सौर बीमा कोष का सहारा लिया जाएगा। विभिन्न क्षेत्रों से वित्त जुटाने के लिए आईएसए सौर सुविधा को जल्द ही शुरू करेगा। इसके अलावा आईएसए की महासभा ने सोलरएक्स ग्रांड चैलेंज को भी मंजूरी दी। इसके माध्यम से सौर क्षेत्र में नवाचार एवं स्टार्टअप पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

रुपये में गिरावट जारी, कारोबार के अंत में 82.37 प्रति डॉलर पर बंद

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर 2022। सीमित कारोबार के दौरान रुपया मंगलवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले सात पैसे की गिरावट के साथ 82.37 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में रुपये में तेजी थी, लेकिन वह बरकरार नहीं रह पाया। अंतर-बैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 82.21 पर खुला। कारोबार के दौरान 82.02 के उच्च स्तर और 82.37 के निचले स्तर को छुआ। कारोबार के अंत में रुपया अपने पिछले बंद भाव 82.30 प्रति डॉलर के मुकाबले सात पैसे की गिरावट के साथ 82.37 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को आंकने वाला डॉलर सूचकांक 0.18 प्रतिशत

बढ़कर 112.24 हो गया। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.27 प्रतिशत घटकर 91.37 डॉलर प्रति बैरल रह गया। इसे भी पढ़ें- कमजोर मांग से कच्चे तेल का वायदा भाव नरम मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के विदेशी मुद्रा एवं सराफा विश्लेषक, गौरांग सोमैया ने कहा कि पिछले कुछ सत्रों से रुपये में एक सीमित दायरे में घट बढ़ हो रही है। इसके अलावा, बीएसई सेंसेक्स 549.62 अंक की तेजी के साथ 58,960.60 अंक पर पहुंच गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली का सिलसिला जारी है। उन्होंने सोमवार को 372.03 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की थी।

प्रधानमंत्री ने खाद्य तेल, उर्वरक के आयात पर होने वाले खर्च पर चिंता जताई

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर 2022। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खाद्य तेल, उर्वरक और कच्चे तेलों के आयात पर होने वाले खर्च को लेकर सोमवार को चिंता जताई। उन्होंने कहा कि इससे कदाताओं पर बोझ पड़ता है, लिहाजा यह समय भारत को आत्मनिर्भर बनाने और आयात की निर्भरता कम करने के लिए 'मिशन मोड' में काम करने का है। उन्होंने कहा कि भारत का आत्मनिर्भर होना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि निर्यात करने वाले देशों की समस्याओं के चलते भारत पर इसका बुरा असर पड़ता है, जैसा कि रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध छिड़ने से हुआ। प्रधानमंत्री ने यहां स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के पूसा मेला ग्राउंड में दो दिवसीय पीएम किसान सम्मान सम्मेलन 2022+ का उद्घाटन करने के बाद ये बातें कही। उन्होंने कहा, "आज भारत का सबसे अधिक



खर्च जिन चीजों को आयात करने में होता है, उनमें खाद्य तेल, उर्वरक और कच्चा तेल शामिल हैं और इनको खरीदने के लिए हर वर्ष लाखों करोड़ रुपये दूसरे देशों को देना पड़ता है।" उन्होंने कहा, "विदेश में अगर कोई समस्या आती है, तो इसका बुरा असर हमारे यहां भी पड़ता है।" मोदी ने कहा कि सरकार उर्वरक के आयात पर इसी साल 2.5 करोड़ रुपये खर्च कर रही है ताकि भारतीय किसान उच्च वैश्विक कीमतों से प्रभावित न हों। उन्होंने यह भी कहा कि देश के किसानों पर बोझ ना पड़े और उनपर कोई नया संकट ना आए इसलिए सरकार 70-80 रुपये में यूरिया बाहर से लाती और किसानों तक 5-6 रुपये में पहुंचाती।

एसीसी को दूसरी तिमाही में हुआ 87.32 करोड़ रुपये का नुकसान

नयी दिल्ली, 18 अक्टूबर 2022। सीमेंट निर्माण क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एसीसी को चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 87.32 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। कंपनी को एक वर्ष पूर्व समान अवधि में 450.21 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था। अडानी समूह में शामिल हुयी एसीसी लिमिटेड ने एक बयान में दूसरी तिमाही के परिणामों में गिरावट का कारण ईंधन के बढ़ते दामों को बताया है। अलाउच्य माह में कंपनी का परिचालन से प्राप्त हुआ, कुल राजस्व 6.42 प्रतिशत बढ़कर 4,057.08 करोड़ रुपये रहा। यह जुलाई-सितंबर 2021 में 3,812.31 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2021-22 की दूसरी तिमाही में एसीसी का परिचालन



लाभ (एबिटडा) बड़ी गिरावट के साथ 16 करोड़ रुपये रहा जो इससे एक साल पहले की तिमाही में 712 करोड़ रुपये था। इस दौरान कंपनी का कुल खर्च 29.88 प्रतिशत बढ़कर 4,162.13 करोड़ रुपये पर पहुंच गया जो पहले 3,204.40 करोड़ रुपये था। हालांकि जुलाई-सितंबर 2022 में एसीसी की बिक्री सात प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 3,910 करोड़ रुपये पर पहुंच गयी।

मधुमेह रोगियों के लिए रामबाण है यह फल, ब्लड शुगर के साथ हृदय रोगों के जोखिम को भी करता है कम

डायबिटीज, वैश्विक स्तर पर बढ़ती गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। इसमें ब्लड शुगर का स्तर बढ़ने की समस्या होती है। शुगर लेवल बढ़ना शरीर के लिए कई प्रकार की गंभीर जटिलताओं का कारण माना जाता है, इससे किडनी, तंत्रिकाओं, आंखों, लिंवर के साथ कई अन्य महत्वपूर्ण अंगों को क्षति होने का खतरा हो सकता है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को कम उम्र से ही डायबिटीज से बचाव के उपाय करते रहने की सलाह देते हैं। अध्ययनों में पाया गया है कि कुछ फलों का सेवन करना डायबिटीज रोगियों के लिए फायदेमंद हो सकता है, यह ब्लड शुगर के स्तर को कंट्रोल में रखने में मददगार पाया गया है।

डायबिटीज में क्या खाना चाहिए, इस बारे में शोध कर रही वैज्ञानिकों की टीम ने पाया कि देश में सर्दियों के मौसम में बहुतायत में मिलने वाला अमरूद डायबिटीज रोगियों के लिए विशेष लाभकारी हो सकता है। अमरूद का फल एंटीऑक्सिडेंट, विटामिन-सी, पोटेशियम और फाइबर से भी भरपूर होता है, ऐसे में इसके शरीर के लिए कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ भी हो सकते हैं। डायबिटीज के अलावा हृदय रोगों के खतरे को कम करने में भी अमरूद के सेवन को वैज्ञानिकों ने लाभकारी पाया है। आइए इस बारे में आगे विस्तार से जानते हैं।

डायबिटीज में अमरूद खाने से होने वाले फायदों के बारे में शोध कर रहे वैज्ञानिकों ने पाया कि यह रक्त शर्करा के स्तर में सुधार कर सकता है। टेस्ट-र्यूब और जानवरों के अध्ययन में पाया गया कि अमरूद के फल के अलावा इसके पत्ते का अर्क भी रक्त शर्करा के स्तर को कंट्रोल करने में सहायक है। यह दीर्घकालिक रूप से शुगर को बढ़ने से रोकने और इंसुलिन प्रतिरोध में मददगार हो सकता है। मनुष्यों के अध्ययन में भी इसके प्रभावशाली परिणाम देखे हैं। 119 लोगों पर किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि अमरूद के पत्तों की चाय पीने से भोजन के बाद रक्त शर्करा के स्तर को कम किया जा सकता है। टाइप-2 डायबिटीज वाले 20 लोगों के एक



अन्य अध्ययन में पाया गया कि अमरूद के पत्ते की चाय पीने से रक्त शर्करा का स्तर 10% से अधिक कम हो गया। हृदय रोगों में भी मिलता है फायदा। डायबिटीज के अलावा अमरूद का सेवन हृदय की समस्याओं को कम करने में भी आपके लिए मददगार हो सकता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि अमरूद के पत्तों में उच्च स्तर के एंटीऑक्सिडेंट और विटामिन होते हैं जो हृदय को फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से बचाने में मदद कर सकते हैं। इसके अलावा अमरूद के फल में पोटेशियम और युलिनशील फाइबर की उच्च मात्रा पाई जाती है जो हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक है। अमरूद के पत्ते के अर्क को कोलेस्ट्रॉल की समस्याओं में भी लाभकारी पाया गया है। पाचन स्वास्थ्य को भी रखता है ठीक। अमरूद, डाइटरी फाइबर का बेहतरीन स्रोत है। ऐसे में इसके सेवन से मल त्याग को आसान बनाने और कब्ज को रोकने में मदद मिल सकती है। अध्ययन से पता चलता है कि सिर्फ एक अमरूद ही आपके अनुशंसित दैनिक फाइबर सेवन का 12% प्रदान कर सकता है। इसके अतिरिक्त, अमरूद के पत्ते का अर्क पाचन स्वास्थ्य को लाभ पहुंचा सकता है। अध्ययनों से पता चलता है कि यह दस्त की समस्याओं से परेशान लोगों के लिए भी फायदेमंद उपचार हो सकता है। अमरूद के इन फायदों के बारे में भी जानिए। डायबिटीज, हृदय रोग और पाचन को ठीक रखने के अलावा अमरूद का सेवन करना सेहत को और भी कई प्रकार के लाभ प्रदान कर सकता है। मासिक धर्म के दर्द और जटिलताओं से राहत दिलाने में मदद करता है। वजन घटाने में सहायक है। एंटीऑक्सिडेंट्स के कारण यह कैंसर रोधी प्रभाव वाला फल है। प्रतिशक्ता प्राली को बढ़ावा देने में मदद करता है। अमरूद खाना आपको त्वचा के लिए भी अच्छा माना जाता है।

हाथों को आकर्षक बनाने के लिए इस्तेमाल करें ये 4 तरह की नेल पेंट

नाखूनों को आकर्षक बनाने के लिए कई महिलाएं नेल पेंट का इस्तेमाल करती हैं। ये पूरे लुक को बेहद खूबसूरत बनाने के साथ-साथ हाथों को आकर्षक बनाने में भी मदद करती हैं। अलग-अलग जगहों के लिए अलग-अलग की नेल पेंट इस्तेमाल की जाती हैं। बाजार में भी अब कई तरीके की नेल पेंट मौजूद हैं, जिसके कारण महिलाएं अक्सर कंफ्यूज हो जाती हैं। आइए आज हम आपको चार बेहतरीन नेल पेंट के बारे में बताते हैं।



मैंट नेल पेंट

मैंट नेल पेंट काफी पसंद की जाती है। ये नेल पेंट आपके नाखूनों को बगैर चमक या शैनिंग के एक चिकनी फिनिश देती है। इससे आपके हाथ बेहद खूबसूरत दिखते हैं। इस नेल पेंट में आप पस्टल रंगों को चुन सकती हैं। इसे आप नॉर्मल दिनों में या किसी प्रोग्राम में भी लगा सकती हैं। इसे लगाने से आपके नाखून चमकीले नहीं दिखेंगे, इसलिए दिन के प्रोग्राम में लगाने के लिए ये नेल पेंट बढ़िया विकल्प है।

तुलना में अधिक लंबे समय तक चलती है। इसे लगाने से नाखूनों पर एक बहुत ही खूबसूरत चमक आती है। अगर आपको रात की पार्टी में जाना है तो क्रोम नेल पेंट बिल्कुल सही है। अपने नाखूनों पर इसे दो बार लगाएं और इसके बाद हाई-शाइन टॉप कोट लगाएं। ये आपके पूरे लुक पर चार चांद लगा देगी।

क्रोम नेल पेंट बहुत ही क्लासिक और सुरक्षित है। ये आपके नाखूनों को ग्लॉसी फिनिश लुक देती है। इसमें किसी प्रकार की मिलावट नहीं होती, इसलिए यह लंबे समय तक चलती है। हालांकि इसे हटाने के लिए आपको नेल पेंट रिमूवर की जरूरत पड़ेगी। इसके सिर्फ दो कोट लगाने से आपके हाथ आकर्षक दिखेंगे। बाजार में यह नेल पेंट बहुत से रंगों में उपलब्ध है। आप अपने कपड़ों की रंग या फिर पसंदीदा रंग में इसे खरीद सकती हैं।

क्रोम नेल पेंट बहुत ही क्लासिक और सुरक्षित है। ये आपके नाखूनों को ग्लॉसी फिनिश लुक देती है। इसमें किसी प्रकार की मिलावट नहीं होती, इसलिए यह लंबे समय तक चलती है। हालांकि इसे हटाने के लिए आपको नेल पेंट रिमूवर की जरूरत पड़ेगी। इसके सिर्फ दो कोट लगाने से आपके हाथ आकर्षक दिखेंगे। बाजार में यह नेल पेंट बहुत से रंगों में उपलब्ध है। आप अपने कपड़ों की रंग या फिर पसंदीदा रंग में इसे खरीद सकती हैं।



मशरूम नान

